सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-7	विषय: हिंदी महाभारत	पाठ: कर्ण तथा दुर्योधन का अंत

कक्षा 7 महाभारत

(कर्ण का अंत तथा दुर्योधन का अंत)

उत्तर १) भीम ने दुःशासन से भयंकर युद्ध किया।लड़ते-लड़ते भीम ने उसे धराशायी कर दिया । द्रौपदी के अपमान का बदला लेने के लिए भीम ने दुःशासन का दायाँ हाथ खींचकर उसका हृदय चीर डाला जिससे दुःशासन की मृत्यु हो गई।

उत्तर २) कर्ण ने नकुल ,सहदेव और युधिष्ठिर का वध इसलिए नहीं किया क्योंकि उन्हें कुंती को दिया यह वचन याद आ गया कि उनके पुत्रों की संख्या हमेशा पाँच ही रहेगी।

उत्तर ३) कर्ण और अर्जुन युद्ध के सोलहवें दिन आमने-सामने थे। दोनों के मध्य घोर संग्राम होने लगा। कर्ण अपना विशेष अस्त्र गवाँ चुके थे। पर उन्होंने हिम्मत न हारी। तभी अचानक कर्ण के रथ का पहिया मिट्टी में धँस गया। कर्ण उसे निकालने का प्रयत्न कर रहे थे। उन्होंने अर्जुन को बाण साधते देखा और उसे रुकने के लिए कहा। अर्जुन ने अपना धनुष-बाण झुका लिया क्योंकि यही उचित था। परंतु कृष्ण ने कहा, "तुम रुको नहीं, अर्जुन ! कर्ण ने उस समय सच्चाई और न्याय का पक्ष नहीं लिया जब वह दुर्योधन के साथ द्यूत के खेल में भाग ले रहा था और तब भी नहीं जब अकेले अभिमन्यु को सात-सात महारथियों ने मिलकर मारा। इतना सुनते ही अर्जुन ने अपना धनुष उठाया और कर्ण की ओर तीर चला दिया।

उत्तर ४) दुर्योधन के सभी भाई मारे गए थे। कर्ण, जो उसका सबसे प्रिय मित्र था,वह भी वीरगति को प्राप्त कर चुका था। निराश होकर दुर्योधन सरोवर की ओर दौड़ा और ऊँची घास में छिप गया।

उत्तर ५) दुर्योधन ने पहले भीम से युद्ध करना चाहा, क्योंकि वह उससे बहुत घृणा करता था। बहुत समय तक उसने भीम के साथ गदा युद्ध किया । दोनों एक-दूसरे पर गदा प्रहार करते रहे। तभी कृष्ण ने अपनी जांँघ छूकर भीम को संकेत दिया ।भीम को स्मरण हो गया कि जब दुर्योधन ने द्रौपदी का अपमान किया था तब उन्होंने दुर्योधन की जाँघ को कुचलने की शपथ ली थी परंतु गदा युद्ध में नाभि के नीचे वार करना क्षत्रिय नियमों के विपरीत था। क्रोध और रोष में उबलते हुए भीम ने अपनी गदा को ज़ोर से हवा में घुमाया। उसी क्षण दुर्योधन वार करने के लिए ऊँचाई तक कूदा तब भीम ने दुर्योधन की जांघ पर गदा से प्रहार किया ।भीम की गदा से उसकी जाँध चकनाचूर हो गई और दुर्योधन लहूलुहान होकर पृथ्वी पर गिर पड़ा ।